रविवासरीय
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
तमिल सुलह प्रक्रिया पर आगे बढ़ेगा श्रीलंका : मोदी
पेज 12 ▮ न्यूजीलैंड ने दूसरा वनडे और सी
रविवार, 09 फरवरी 2020, बरेली
www.livehindustan.com

PAGE NO. 08. TOP

श्री राम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट के इंजीनियरिंग महाविद्यालयों का 19वां दीक्षांत समारोह, अतिथियों ने दिए मेडल

दीक्षांत में मेधावियों का जोश आसमान पर

बरेली | वरिष्ठ संवाददाता

श्री राममूर्ति स्मारक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी में शनिवार को दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। 19वें दीक्षांत समारोह में बीटेक, बीफार्मा, एमबीए, एमसीए, एमटेक, एमफार्मा समेत अन्य पाठ्यक्रमों के टॉपर छात्रों को प्रशस्ति-पत्र और प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया। मेडल पाकर मेधावियों के चेहरे खिल उठे और उनका जोश-उत्साह सातवें आसमान पर नजर आया।

दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता डा. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, यूएन ग्लोबल कंपैक्ट नेटवर्क इंडिया के कार्यकारी निदेशक कमल सिंह, सीनियर वाइस प्रेसीडेंट कारपोरेट योगी श्रीराम ने की। अतिथियों का स्वागत एसआरएमएस ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी देवमूर्ति ने किया। अतिथियों ने दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। देवमूर्ति ने डिग्रीधारियों का स्वागत करते हुये कहा कि यह एक यादगार दिन है। अब डिग्री प्राप्त होने के बाद वो सभी नए जीवन में प्रवेश कर रहे हैं और वहां नई चुनौतियां होंगी। ऐसे में समय के साथ ढलना जरूरी है। सफलता के लिए कोशिश के साथ ही समय के साथ चलना भी बेहद जरूरी है। बीते 6 फरवरी को यूपी कैबिनेट ने एसआरएमएस इंस्टीट्यूट को यूनिवर्सिटी बनाने पर स्वीकृति दे दी है। उम्मीद है कि नए सत्र से छात्र-छात्राएं एसआरएमएस यूनिवर्सिटी में प्रवेश लेंगे। महाविद्यालय के डीन एकेडमिक्स प्रो. प्रभाकर गुप्ता ने स्व. राममूर्ति को उनके 110वें जन्मदिन पर नमन किया और अतिथियों का बारी-बारी परिचय कराया। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट द्वारा अपने महाविद्यालयों के मेधावी छात्र-छात्राओं को 3 करोड़ धनराशि की छात्रवृत्ति भी वितरत करने का प्रावधान है। इस वर्ष ट्रस्ट महाविद्यालयों के 739 मेधावी विद्यार्थीयों को ट्रस्ट ने तीन करोड़ की छात्रवृत्ति दी। सत्र 2018-19 के 85 प्रतिशत छात्र-छात्राओं का प्लेसमेंट विभिन्न राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय कंपनियों में हुआ है।

श्री राम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट के इंजीनियरिंग महाविद्यालय के दीक्षांत समारोह के अवसर पर मौजूद अतिथि व विद्यार्थी। • हिन्दुस्तान

अतिथियों ने सफलता के बताए गुर

कार्यक्रम के अतिथियों ने छात्र-छात्राओं को जीवन में सफलता के मंत्र बताए। कमल सिंह ने कहा कि आप दृढ़ संकल्प और समर्पण के साथ अपने एकेडमिक कार्य अपनाएं। योगी श्रीराम ने कहा कि सही निर्णय करना बहुत जरूरी है। किसी भी क्षेत्र में सफल बनने के लिये और कारपोरेट में कार्य करने के गुण एवं तरीकों का विस्तार से वर्णन किया। प्रो. विनय कुमार पाठक ने छात्र-छात्राओं को दीक्षा देते हुये कहा कि कन्वोकेशन का अर्थ केवल डिग्री प्राप्त करना होता है और भारतीय संस्कृति के अनुसार दीक्षांत का अर्थ है डिग्री के साथ-साथ संस्कार प्राप्त करना भी होता हैं।

मेधावियों को मिला सम्मान

चेयरमैन देवमूर्ति ने बीटेक में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा गौरी अग्रवाल को श्री राममूर्ति गोल्ड मेडल और 51 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया। गरिमा अग्रवाल, लक्ष्मी राना, श्रुति उपाध्याय, गौरी अग्रवाल, रिमझिम गुप्ता, निप्रा द्विवेदी, चांदनी खान, नमन उपाध्याय, प्राशी चौहान, चेष्टा कपूर, नेहा मिश्रा, अभिषेक कुमार गंगवार, आकांक्षा गुप्ता, शुभि गुप्ता, शशांक गुप्ता, मुस्कान, अनमोल कुमार सिंह, ज्योति मिश्रा, अनविता अग्रवाल, कीर्तिका रावत, प्राची सिंह, तीना सादी, शिवी अग्रवाल, प्राची सिंह, अनविता अग्रवाल, मनीषा पाण्डेय, कोपल अग्रवाल, चेतना सिंह, राजेश कुमार, सुनीत्रा पाठक, कोपल अग्रवाल, सुनीतरा पाठक, हिमांशु सिंह, आकाश कुमार को पुरस्कृत किया।